अमर उजाला

रमेश पोखरियाल 'निशंक'
25/01/2020

बच्चों को तनाव से बचाएगी व्यावहारिक शिक्षानीति, केंद्रीय मंत्री निशंक ने जताई उम्मीद

सरकार व्यावहारिक शिक्षा नीति पर अमल कर रही है जो बच्चों पर किसी प्रकार का अनावश्यक तनाव नहीं डालेगी। इस नीति से हम अपने बच्चों का बेहतर भविष्य निर्माण कर पाएंगे। आज भारत विश्व के सबसे युवा देशों में से एक है।

उसकी 62: से अधिक जनसंख्या कामकाजी आयु वर्ग (15–59 वर्ष) में है। कुल जनसंख्या के 54: से लोग 25 वर्ष से कम आयु के हैं। 2030 तक सर्वाधिक कामकाजी आबादी भारत में होगी। जिसके लिए देश में शत–प्रतिशत साक्षरता अनिवार्य है। जनसांख्यकीय अनुपात को जनसांख्यकीय लाभांश में परिवर्तित करना एक बड़ा लक्ष्य है। केवल अच्छी शिक्षा के माध्यम से ही हम अपने देश के बच्चों का भविष्य संवारकर इस लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री ने लगातार तीसरे साल बच्चों को परीक्षा में तनाव मुक्त रहने के लिए उनसे उनसे सीधा संवाद किया हो। विश्व के इतिहास में संभवतरू यह पहली बार हुआ होगा कि किसी देश का प्रधानमंत्री लगातार तीन साल से बच्चों को परीक्षा की तैयारी के गुरुमंत्र दे रहा हो।

प्रधानमंत्री ने न केवल बच्चों को परीक्षा की तैयारी के मंत्र दिए बल्कि जीवन की व्यावहारिक सच्चाइयों से परिचय कराते हुए हर चुनौती का सामना कर आगे बढ़ने करने की प्रेरणा दी। प्रधानमंत्री का बच्चों के साथ यह संवाद न केवल देशभर में देखा गया बल्कि दुनिया के 25 देशों के करोड़ों विद्यार्थी, अभिभावक, अध्यापक सब उनके विचारों से लाभान्वित हुए।

पहली बार इस कार्यक्रम में हमारे दिव्यांग छात्रों ने भी भाग लिया। पीएम मोदी ने कहा कि सिर्फ परीक्षा के अंक जिंदगी नहीं हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि उन्होंने माता–पिता से भी आग्रह किया कि बच्चों से ऐसी बातें न करें कि परीक्षा ही सब कुछ है।